

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र – १

परीक्षा : मई – २०२५

विषय : आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं कहानी (HDS - 101)

दि.: १५/०५/२०२५

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'विपात्र' उपन्यास में महानगरीय जीवन की व्यथा और वेदना का लेखाजोखा है- उपन्यास के चरित्रों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
- प्र. २ 'विपात्र' उपन्यास की कथा वस्तु पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ३ 'विपात्र' उपन्यास के चरित्रों की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ४ 'विपात्र' उपन्यास में अभिव्यक्त समस्याओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ५ कस्बे का आदमी कहानी के कथानक की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ६ 'दायरा' कहानी के मध्यवर्गीय परिवार का वर्णन करते हुए, उसकी मानसिकता और आर्थिक दशा को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ७ नन्हों का जीवन और उसकी चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ८ कर्म के पंथ और प्रकारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए।
- १) अरे, मैं तो कहूँ घरवालों को कैसा बुलावा? ये लोग तो मुझे अपनी माँ से कम नहीं समझते।
- २) आप को मैं राजनीतिज्ञ मान बैठा था, लेकिन आप तो भावुक बालक निकले।
- ३) संसार में प्रत्येक मनुष्य का परमधर्म यही है कि, वह समस्त मानवजाति से प्रेम करें और सब लोगों के कल्याण के लिए सदैव प्रयत्न करता रहें।
- ४) न आकाश से पानी बरसता है न जमीन से बीज फूटता है।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
- १) धर्म-अधर्म का निर्णय
- २) 'सुख' कहानी के भोला बाबू
- ३) अमरूद का पेड़- कहानी की विशेषता
- ४) जीवन में कर्मयोग का संतुलन।